vinetur

जर्मनी के क्रिसमस बाजार अब गैर-अल्कोहलिक ग्लूवाइन इसी नाम से बेच सकेंगे

2026 के लिए यूरोपीय संघ के नियमों में बदलाव से ग्लूवाइन में पहले अनिवार्य 7% न्यूनतम अल्कोहल से जुड़ी लेबलिंग रोक खत्म हुई

शुक्रवार, 20 नवंबर 2026



जर्मनी के क्रिसमस बाजारों के विक्रेता अब अल्कोहल-मुक्त ग्लूवाइन को उस नाम से बेच सकते हैं जो उसका सबसे सटीक वर्णन करता है : गैर-अल्कोहलिक ग्लूवाइन, या गैर-अल्कोहलिक मुल्ड वाइन। 2026 के छुट्टियों के मौसम से लागू यह बदलाव यूरोपीय संघ के नियमों में संशोधन के बाद आया है। पहले इस नाम के इस्तेमाल पर रोक थी, क्योंकि कानून के तहत ग्लूवाइन को कम से कम 7% अल्कोहल वाला उत्पाद परिभाषित किया गया था।

SWR Aktuell ने शुक्रवार को बताया कि नामकरण का नया नियम Baden-Württemberg के क्रिसमस बाजारों में पहले से लागू हो रहा है, जहां यह मौसमी पेय खास तौर पर लोकप्रिय है। यह नियम खुदरा दुकानों पर भी लागू होता है, हालांकि उद्योग प्रतिनिधियों ने कहा कि दुकानों की अलमारियों पर यह नाम व्यापक रूप से दिखने में कुछ समय लग सकता है, क्योंकि मौजूदा मौसम के लिए कई उत्पाद पुराने नामों से पहले ही तैयार और वितरित किए जा चुके हैं।

Württemberg के वाइन उत्पादक संघ के प्रबंध निदेशक Hermann Morast ने SWR को बताया कि इसी वजह से खुदरा क्षेत्र में बदलाव धीमा रहने की संभावना है। हालांकि, बाजार के स्टॉल पर विक्रेताओं से तुरंत नए लेबल का इस्तेमाल करने की अपेक्षा है। अब तक, जब यह पेय सामान्य वाइन के बजाय अल्कोहल निकाली गई वाइन से बनाया जाता था, तब उत्पादक और विक्रेता अक्सर Glühpunsch जैसे वैकल्पिक नामों या दूसरे विपणन नामों का सहारा लेते थे।

वाइन उद्योग के संगठनों ने कहा कि इस बदलाव से उपभोक्ताओं के लिए लेबल अधिक स्पष्ट होंगे। Morast ने SWR को बताया कि वाइनरी को असहज स्थिति का सामना करना पड़ रहा था : उन्हें समझाना पड़ता था कि वे "पंच" क्यों बेच रहे हैं, जबकि वह असल में मुल्ड वाइन का गैर-अल्कोहलिक रूप था। उन्होंने कहा कि स्पष्ट नाम से ग्राहकों को यह समझने में मदद मिल सकती है कि वे क्या खरीद रहे हैं, खासकर क्रिसमस बाजारों में, जहां कीमत और उसके अनुरूप मिलने वाले मूल्य पर अधिक ध्यान दिया जाता है।

Badische वाइन उत्पादक संघ ने भी इसी तरह की राय जताई, लेकिन कहा कि उसे मांग में अचानक तेज उछाल की उम्मीद नहीं है। इसके प्रबंध निदेशक Holger Klein ने SWR को बताया कि नया लेबल विपणन को आसान बना सकता है और मांग को कुछ सहारा दे सकता है, क्योंकि गैर-अल्कोहलिक ग्लूवाइन शब्द उपभोक्ताओं को तुरंत समझ में आता है। उन्होंने यह भी कहा कि यह नाम अल्कोहल निकाली गई वाइन से बने उत्पादों और फलों के रस से बने गैर-अल्कोहलिक पंच के बीच अंतर को अधिक स्पष्ट करता है।

यह अंतर क्रिसमस बाजारों से आगे भी मायने रख सकता है। वाइनरी, वितरकों और खुदरा विक्रेताओं के लिए यह नियम मौसमी पेय की उस श्रेणी को स्पष्ट कानूनी पहचान देता है, जिसका विपणन अब तक वैकल्पिक नामों से किया जाता था। इससे पेय विक्रेताओं को अल्कोहल निकाली गई वाइन से बने उत्पादों को गर्म जूस वाले पंच से अलग ढंग से पेश करने में भी मदद मिल सकती है। सर्दियों में बिक्री के अहम दौर के दौरान इसका असर उत्पादों की जगह, उपभोक्ताओं की अपेक्षाओं और ब्रांडिंग पर पड़ सकता है।

उद्योग संगठनों ने कहा कि जर्मनी में गैर-अल्कोहलिक वाइन का व्यापक बाजार बढ़ रहा है, भले ही उसका आकार अभी छोटा है। Klein ने जर्मन वाइन संस्थान के लिए संकलित NielsenIQ के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि 2024 में जर्मनी में खरीदी गई गैर-अल्कोहलिक वाइन की मात्रा 2023 के मुकाबले 86% बढ़ी। फिर भी, कुल वाइन बाजार में इन उत्पादों की हिस्सेदारी अब भी एकल-अंकीय के निचले स्तर पर थी। Klein ने कहा कि यह रुझान गैर-अल्कोहलिक ग्लूवाइन पर किस हद तक लागू होता है, यह स्पष्ट नहीं है, क्योंकि यह अधिक मौसमी उत्पाद है।

उपभोक्ता संगठनों ने भी अधिक स्पष्ट लेबल का स्वागत किया, लेकिन आगाह किया कि खरीदार गैर-अल्कोहलिक और सख्त अर्थों में अल्कोहल-मुक्त के बीच भ्रम न करें। Baden-Württemberg उपभोक्ता केंद्र में खाद्य एवं पोषण विशेषज्ञ Sabine Holzäpfel ने SWR को बताया कि गैर-अल्कोहलिक ग्लूवाइन में भी मात्रा के हिसाब से 0.5% से कम अल्कोहल हो सकता है। उन्होंने कहा कि इसका मतलब है कि यह बच्चों, गर्भवती महिलाओं या पूरी तरह अल्कोहल से परहेज करने वाले लोगों के लिए उपयुक्त नहीं है। इन समूहों के लिए चाय या फलों के रस से बने गर्म पेय बेहतर विकल्प हैं।

नियमों में बदलाव से जर्मन उत्पादकों को ऐसे पेय का वर्णन करने का सरल तरीका मिला है, जो व्यवहार में बाजार में पहले से मौजूद था, लेकिन नाम में नहीं। इससे बिक्री में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होगी या नहीं, यह अभी अनिश्चित है। हालांकि, वाइनरी और बाजार संचालकों के पास अब ऐसा लेबल है जो कप में मौजूद पेय से अधिक मेल खाता है।